विश्व निवेश रिपोर्ट

सन्दर्भ: हाल ही में व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) द्वारा विश्व निवेश रिपोर्ट 2023 जारी किया गया है।

मुख्य बातें:

- इस वर्ष की रिपोर्ट 'सभी के लिए सतत ऊर्जा में निवेश' विषय पर केन्द्रित है।
- भारत और आसियान ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में क्रमशः 10% और 5% के साथ उल्लेखनीय वृद्धि की है।
- विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में विकासशील देशों को अधिक FDI प्रवाह प्राप्त हुआ है।
- चीन के FDI प्रवाह में 5% की वृद्धि देखी गई, जो वैश्विक स्तर पर FDI प्रवाह का दूसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता देश बन गया है।
- खाड़ी क्षेत्र के देशों में FDI प्राप्ति में गिरावट देखी गई, हालांकि इससे सम्बंधित परियोजना घोषणाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- कई छोटे विकासशील देशों में FDI प्रवाह स्थिर रहा, और कम विकसित देशों (LDC) ने FDI में गिरावट दर्ज की है।
- विकसित देशों ने मुख्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा में अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित किया है।
- सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिए निवेश अंतर, वर्ष 2015 में 2.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर प्रति वर्ष 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।
- ऊर्जा, जल और परिवहन सहित बुनियादी ढांचे को निवेश में सबसे अधिक अंतर का सामना करना पड़ रहा है।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड)

- अंकटाड एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी।
- यह मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ विकास के मुद्दों को एक वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।
- व्यापार, प्रौद्योगिकी, वित्तीय सहायता और परिवहन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नीतियां बनाना अंकटाड की प्रमुख प्राथमिकता रही है।
- अंकटाड सम्मेलन आम तौर पर प्रत्येक चार वर्ष में एक बार किया जाता है।
- दूसरा अंकटाड सम्मेलन 1968 में नई दिल्ली, भारत में हुआ था।
- वर्तमान समय में अंकटाड में 195 सदस्य देश हैं।
- अंकटाड का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- UNCTAD कई रिपोर्टों का प्रकाशन भी करता है जैसे:
  - व्यापार और विकास रिपोर्ट
  - सबसे कम विकसित देशों की रिपोर्ट
  - वस्तु और विकास रिपोर्ट।

भौतिकी पर महिलाओं का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICWIP)

सन्दर्भ: भारत पहली बार 10 से 14 जुलाई, 2023 तक भौतिक विज्ञान पर महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICWIP) के आठवें संस्करण की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही भारत इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन पहली बार कर रहा है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- ICWIP भौतिकी शिक्षा और अनुसंधान में लिंग असंतुलन को संबोधित करने वाला शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी का अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUPAP) का एक कार्यक्रम है।
- यह कार्यक्रम पहली बार 2002 में फ्रांस में आयोजित किया गया था।
- ICWIP 2023 का आयोजन इंडियन फिजिक्स एसोसिएशन के जेंडर इन फिजिक्स वर्किंग ग्रुप और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR), मुंबई द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

उद्देश्य:

- प्राथमिक से कॉलेज स्तर तक विज्ञान और गणित शिक्षा में गुणवत्ता और समानता को बढ़ावा देना।
- भारत में ICWIP 2023 का आयोजन भौतिकी और विज्ञान में विविधता और समावेशन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करता है।

इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स (IUPAP):

- IUPAP एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी संगठन है जिसका प्रबंधन और संचालन भौतिकी समुदाय द्वारा ही किया जाता है।
- इसके सदस्य दुनिया भर के विभिन्न देशों और क्षेत्रों में भौतिकी समुदायों से लिए गए हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1922 में ब्रुसेल्स में की गयी थी और पहली महासभा वर्ष 1923 में पेरिस में आयोजित की गई थी।
- वर्तमान में, IUPAP में 60 सदस्य देश शामिल हैं।

IUPAP के उद्देश्य:

- सतत विकास के लिए भौतिकी के विश्वव्यापी भागीदारी को बढ़ावा देना।
- वैश्विक स्तर पर भौतिकी में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देना।
- वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नवाचार को आगे बढ़ाने में भौतिकी की भूमिका से सभी को अवगत कराना।
- भौतिकी में विविधता और समावेशन को बढ़ावा देना।
- महिलाओं और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की भागीदारी और मान्यता का समर्थन करना।
- भौतिकी में समान अवसरों और लैंगिक समानता की वकालत करना।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुगम बनाना और समय-समय पर भौतिकी सम्मेलनों को आयोजित करना।
- दुनिया भर के भौतिकविदों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित करना।
- वैज्ञानिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी बैठकों का आयोजन करना।

महिलाओं में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल:

- **STEM पहल**: यह एक सरकारी कार्यक्रम है जो महिलाओं को वैज्ञानिक एवं नवाचार संबंधी शिक्षा और व्यावसायिक विकास तक पहुंच प्रदान करता है।
- **WISE-किरण**: इस कार्यक्रम का उद्देश्य लिंग-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।
- **STEM में महिलाओं के लिए भारत-अमेरिका फेलोशिप**: महिला वैज्ञानिकों को संयुक्त राज्य अमेरिका में सहयोगात्मक अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **CURIE कार्यक्रम**: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला संस्थानों में अनुसंधान बुनियादी ढांचे का विकास करना।
- **विज्ञान ज्योति**: छात्राओं को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं उसमें करियर बनाने के लिए प्रेरित करना।
- **GATI**: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अत्यधिक लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए सम्बंधित संस्थानों में बदलाव लाना।
- **SERB-POWER**: अनुसंधान समर्थन के माध्यम से विज्ञान और इंजीनियरिंग में लैंगिक असमानता को समाप्त करना।
- **BioCARe**: जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी बढ़ाना।
- **WEST**: इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा देना।

राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे जैवविविधता संधि (BBNJ)

सन्दर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने उच्च समुद्र संधि को मंजूरी दे दी है, जो अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार वाले जल में मछली पकड़ने, खनन और तेल निष्कर्षण जैसी विभिन्न गतिविधियों की सुरक्षा और विनियमन के लिए बनाई गई विश्व की पहली अंतरराष्ट्रीय संधि है।

महत्वपूर्ण विशेषताएं:

- समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (MPA) की स्थापना और समुद्री संरक्षण के लिए वित्तीय संसाधन में वृद्धि करना।
- समुद्र में खनन गतिविधियों के लिए विनियम बनाना, जिसमें समुद्री आनुवंशिक संसाधनों को साझा करने के नियम भी शामिल हैं।
- खनन जैसी गहरे समुद्र की गतिविधियों के पर्यावरणीय आकलन के लिए संदर्भित आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
- धनी देशों से वित्तीय सहायता की प्रतिबद्धता, जैसे कि यूरोपीय संघ ने लगभग 820 मिलियन यूरो की सहायता करने का वादा किया है।
- उच्च-समुद्र गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभावों को मापने के लिए दिशानिर्देश और अन्य देशों को इन प्रभावों के लिए संयुक्त राष्ट्र को रिपोर्ट करने के लिए बाध्य करना।
- यह नए समूहों के निर्माण, पार्टियों के सम्मेलन, संधि की शर्तों के अनुपालन की देखरेख और उसके कार्यान्वयन के लिए भी जिम्मेदार है।

- BBNJ संधि कानूनी रूप से एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों में समुद्री जैव विविधता के संरक्षण और स्थायी उपयोग पर केंद्रित है।
- इसमें उच्च समुद्री क्षेत्र भी शामिल हैं, जो विशेष आर्थिक क्षेत्रों और राष्ट्रीय जलीय सीमा से परे हैं और पृथ्वी की सतह के लगभग आधे हिस्से को कवर करते हैं।

आवश्यकता:

- वर्तमान में, इनमें से केवल 1% क्षेत्र ही संरक्षित हैं, जिसके कारण बड़ी मछलियों की आबादी में उल्लेखनीय कमी आई है और 50% प्रवाल भित्तियाँ नष्ट हो गई हैं, जिसका मुख्य कारण अत्यधिक मछली पकड़ना और समुद्री संसाधनों का अत्यधिक दोहन करना है।

वार्ता/समझौता:

- BBNJ पर उच्च महत्वाकांक्षा वाले देशों के एक गठबंधन ने एक व्यापक और महत्वाकांक्षी परिणाम के लक्ष्य के साथ फरवरी 2022 में वन ओशन शिखर सम्मेलन में बातचीत शुरू की थी।
- वर्ष 1982 में अपनाया गया समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCLOS), समुद्र में शासन का विस्तार करने का पहला प्रयास था, जिसमें संबंधित देशों के समुद्र तट के 12 समुद्री मील के भीतर महासागरों में नियमों को जोड़ा गया था।

उच्च समुद्र:

- उच्च समुद्र किसी भी राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे समुद्री क्षेत्रों को संदर्भित करते हैं, जो किसी विशिष्ट देश की संप्रभुता के अंतर्गत नहीं आते हैं।
- उन्हें संपूर्ण मानव जाति से संबंधित एक वैश्विक क्षेत्र माना जाता है।

भारत की भागीदारी:

- भारत ने समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCLOS) के तहत BBNJ संधि के लिए बातचीत में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCLOS):

- इसे वर्ष 1982 में अपनाया और हस्ताक्षरित किया गया है और यह 1994 में प्रभावी हुआ है।
- इसके माध्यम से प्रादेशिक समुद्र, सन्निहित क्षेत्र, महाद्वीपीय शेल्फ, उच्च समुद्र, मछली पकड़ने और जीवित संसाधनों के संरक्षण को संबोधित करते हुए वर्ष 1958 के चार जिनेवा सम्मेलनों को प्रतिस्थापित किया गया।
- यह समुद्री और महासागरीय गतिविधियों के लिए एक कानूनी ढांचे के रूप में कार्य करता है।
- इसे समुद्र के कानून के नाम से भी जाना जाता है।
- यह समुद्री क्षेत्रों को पांच मुख्य क्षेत्रों में विभाजित करता है: आंतरिक जल, प्रादेशिक सागर, सन्निहित क्षेत्र, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) और उच्च समुद्र।
- UNCLOS समुद्री क्षेत्रों में राज्य के अधिकार क्षेत्र के लिए एक रूपरेखा स्थापित करता है।
- यह विभिन्न समुद्री क्षेत्रों को अलग-अलग कानूनी स्थिति प्रदान करता है।

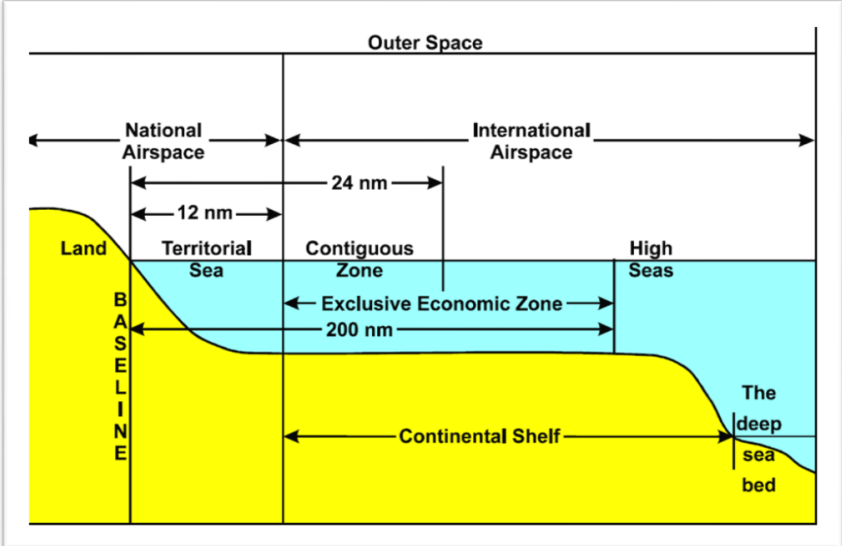

NEWS IN BETWEEN THE LINES

माइग्रेन

सन्दर्भ : हाल ही में, WHO ने माइग्रेन को विश्व स्तर पर दूसरा सबसे प्रचलित न्यूरोलॉजिकल विकार बताया है, जो अन्य न्यूरोलॉजिकल स्थितियों की तुलना में अधिक विकलांगता का कारण बनता है।

माइग्रेन क्या है?

माइग्रेन एक अक्षम करने वाला सिरदर्द विकार है, जिसमें बार-बार मध्यम से गंभीर सिरदर्द होता है, जिसमें सामान्यतया सिर में एक तरफ दर्द ,धड़कन में वृद्धि के, साथ फोटोफोबिया, फोनोफोबिया और मतली/उल्टी के लक्षण शामिल हैं।

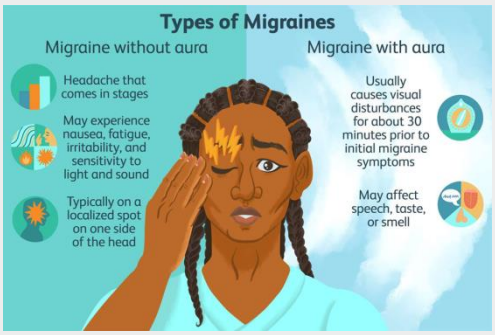

जेंडर: माइग्रेन महिलाओं में अधिक आम है।

निदान: निदान में नैदानिक मूल्यांकन और सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके अन्य संभावित कारणों का पता लगाना शामिल है।

उपचार: कैल्सीटोनिन जीन-संबंधित पेप्टाइड (सीजीआरपी) के खिलाफ मोनोक्लोनल एंटीबॉडी और ट्रिगर पॉइंट इंजेक्शन का उपयोग सूजन को कम करने और माइग्रेन से जुड़े दर्द को कम करने के लिए भी किया जाता है।

विश्व स्वाहिली भाषा दिवस

सन्दर्भ : आज के दिन, दुनियाभर में 'विश्व स्वाहिली भाषा दिवस' मनाया जा रहा है, स्वाहिली को विश्व स्तर पर शीर्ष 10 सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई है।

भाषा का महत्व:

- तंजानिया, केन्या, मोजाम्बिक, युगांडा और अफ्रीका के पूर्वी तट पर 200 मिलियन से अधिक लोग अपनी प्राथमिक भाषा के रूप में स्वाहिली का उपयोग करते हैं।
- स्वाहिली अफ्रीकी संघ की भी एक आधिकारिक भाषा है।

मान्यता: संयुक्त राष्ट्र ने स्वाहिली के सांस्कृतिक महत्व का जश्न मनाने के लिए 7 जुलाई को विश्व स्वाहिली भाषा दिवस के रूप में नामित किया है।

आकाशवाणी की स्वाहिली भाषा सेवा:

- आकाशवाणी का बाह्य सेवा प्रभाग मई 1943 से दैनिक स्वाहिली भाषा सेवा प्रसारित कर रहा है।
- इस सेवा का लक्ष्य दुनिया भर में अफ्रीकी समुदाय तक पहुंचना है।

प्रशंसा:

- भारत में तंजानिया की उच्चायुक्त अनीसा कपुफी मबेगा ने स्वाहिली भाषा को बढ़ावा देने और अफ्रीकी समुदाय के साथ एकजुटता को बढ़ावा देने में भूमिका के लिए भारत के सार्वजनिक प्रसारक की प्रशंसा की।
- उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की G20 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक कल्याण के लिए सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

सौर ज्वालाएँ (Solar Flares)

सन्दर्भ: हाल ही में सूर्य द्वारा उत्सर्जित एक्स-क्लास सौर ज्वालाओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में रेडियो संचार को बाधित कर दिया है।

सौर ज्वालाएँ: सौर ज्वालाएँ सूर्य पर होने वाले विस्फोट हैं जो सौर्य धब्बों पर चुंबकीय क्षेत्रों में संग्रहीत ऊर्जा के अचानक निकलने के कारण उत्पन्न होती हैं।

प्रभाव और जोखिम:

- सौर ज्वालाएं रेडियो संचार, पावर ग्रिड और नेविगेशन सिग्नल को बाधित कर सकती हैं।
- वे अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष यान के लिए जोखिम उत्पन्न करती हैं।
- ये ज्वालाएँ पदार्थों को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गर्म करती हैं, जिससे विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में विकिरण उत्पन्न होता है।

सौर ज्वालाओं वर्गीकरण:

- सौर ज्वालाओं को उनकी एक्स-रे चमक के आधार पर विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया गया है: ए, बी, सी, एम और एक्स।
- एक्स-क्लास फ्लेयर्स बड़ी घटनाएँ हैं जो वैश्विक रेडियो ब्लैकआउट और विकिरण तूफान का कारण बनती हैं।
- एम-क्लास फ्लेयर्स के परिणामस्वरूप संक्षिप्त रेडियो ब्लैकआउट होता है ऐसा मुख्यतः ध्रुवीय क्षेत्रों में होता है।

पृथ्वी पर प्रभाव:

- सौर ज्वालाएँ ऊर्जा कणों का निष्कासन करती हैं जो पृथ्वी पर आयनमंडल और रेडियो संचार को प्रभावित करती हैं।
- सौर ज्वालाओं से जुड़े कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) भू-चुंबकीय तूफान और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं।

गांधी सागर अभयारण्य

सन्दर्भ : हाल ही में, अफ्रीकी चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान से सेंधी सागर अभयारण्य में स्थानांतरित करने की योजना तैयार की गई है।

गांधी सागर अभयारण्य:

- गांधी सागर अभयारण्य भारत के मध्य प्रदेश राज्य में मंदसौर और नीमच मंदिर की उत्तरी सीमा पर एक संरक्षित पवित्र स्थान है।
- यह अभयारण्य लगभग 368 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

वन्यजीव: इस अभयारण्य में विभिन्न पशुओं का वास है , जिनमें मृग, हिरन, जंगली सुअर, लंगूर, शार्क और प्रवासी पक्षी शामिल हैं।

वनस्पति: इस अभयारण्य में शुष्क पर्णपाती वन, घास के मैदान और चंबल नदी के किनारे जलीय वनस्पति सहित विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।

चंबल नदी: यह अभयारण्य पवित्र चंबल नदी के किनारे स्थित है, जिसका अपना एक विशिष्ट पारिस्थितिक महत्व है।

चीतों के स्थानान्तरण का कारण:

चीतों का स्थानान्तरण चीता एक्शन प्लान का हिस्सा है। कुनो नेशनल पार्क में दो चीतों के समूहों के बीच संघर्ष के दौरान अग्नि नामक नर चीता की मृत्यु के बाद चीतों को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है।

चीता बाड़े: गांधी सागर अभयारण्य में 60-70 वर्ग किलोमीटर के लिए स्थानांतरित चीतों का बाड़ा तैयार किया जा रहा है।

समाचार में स्थान

ओर्कनेय द्वीप

संदर्भ: हाल ही में स्कॉटलैंड के तट पर स्थित ओर्कनेय द्वीप समूह ने ब्रिटेन से अलग होकर नॉर्वे का स्वशासित क्षेत्र बनने पर विचार किया है।

भौगोलिक अवस्थिति: द्वीपसमूह स्कॉटलैंड के उत्तरी तट से लगभग 10 मील दूर स्थित है।

भौगोलिक विशेषताएं: द्वीप विविध परिदृश्य प्रदर्शित करते हैं, जिनमें समुद्र तट, चट्टानें और मोड़दार पहाड़ियाँ शामिल हैं।

द्वीप की विशेषताएँ:

- इसमें 70 अलग-अलग द्वीप हैं जिनमें से 20 द्वीपों पर आबादी है।
- यह प्राकृतिक परिदृश्यों, ऊबड़-खाबड़ समुद्र तटों और विविध वन्य जीवन के लिए जाना जाता है।

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व:

- यहाँ प्रागैतिहासिक काल से लोग बसे हुए हैं।
- यह पत्थर के घेरे, कक्षयुक्त कब्रें और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल "नियोलिथिक ओर्कनेय का हृदय" सहित नवपाषाणकालीन स्थलों का घर है।